अर्ज़ी श्याम से | by Naren Soni

हुई सांवरे ये तुझे ना खबर
क्यों दर तेरे रोता है कोई
तेरे चरणों में रख यूँ सर
क्यों दर तेरे रोता है कोई

चर्चा सुनी जो तेरी दुनिया जहाँ से
आया कई बार तुझे अपना ही जान के
पर आया प्रभु तुझे ना नज़र
क्यों दर तेरे रोता है कोई

बोले तक़दीर में नहीं है तेरा प्यार क्यों
मेरी बारी सांवरे बैठा है लाचार क्यों
क्यों ना आंसुओं का मेरा है असर
क्यों दर तेरे रोता है कोई

सबके लिए तेरा खुला दरबार है
मुझे लौटाया तूने खाली बार बार है
पुछा हाथ ना फिरा के सर पर
क्यों दर तेरे रोता है कोई

गर मेरे आंसुओं से इतना ही प्यार है
मुझे तेरी मर्ज़ी श्याम स्वीकार है
बस इतना कहूंगा रो कर
क्यों दर तेरे रोता है कोई

अब तो भुला दे बाबा हुई जो भी भूल हैं
कह दे मेरी अर्ज़ी तुझको क़ुबूल है
रोमी सबको कहे जाकर
ना दर तेरे रोता है कोई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-naren-soni/